हाइपरसोनिक मिसाइल्स किंझल (Kinzhal)

रूस-यूक्रेन की जंग (Russia Ukraine War) के 25वें दिन पहली बार रूस ने यूक्रेन को तबाह करने के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल (Hypersonic Missiles) का प्रयोग किया है। इस मिसाइल का नाम किंझल (Kinzhal) है । रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल किंझल का इस्तेमाल यूक्रेन के मिसाइल और हवाई उपकरण को तबाह करने के लिए किया है। ऐसा पहली बार है जब दुनिया में जंग के लिए इस एडवांस तरह की मिसाइल का प्रयोग किया गया है। हाइपरसोनिक मिसाइल यूक्रेन के पश्चिम में स्थित इवानो फ्रेंक्विस्क क्षेत्र में दागी गई, जिससे यूक्रेन को काफी नुकसान हुआ है।

क्या होती हैं हाइपरसोनिक मिसाइल्स और यह कितने देशों के पास हैं?

हाइपरसोनिक मिसाइल एडवांस किस्म के हथियार हैं, जो ध्वनि की गति से भी पांच गुना ज्यादा गति में चलती हैं. यह मिसाइल दुश्मन के ठिकाने को तबाह करने के लिए इतनी तेज गति से चलती हैं कि इन्हें ट्रैक कर पाना और रोक पाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए इसकी गिनती सबसे घातक हथियारों में होती है।

ऐसी हाइपरसोनिक मिसाइल सिर्फ रूस ही नहीं, दुनिया के कई देशों के पास हैं। इनमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और चीन भी शामिल हैं। वर्तमान में कोरिया ऐसी ही एडवांस और खतरनाक मिसाइल को तैयार करने में जुटा है। जो जमीन से अंतरिक्ष तक मार करने में सक्षम हो।

कितनी खास है कि यह हाइपरसोनिक मिसाइल 'किंझल'?

रूस ने जिस हाइपरसोनिक मिसाइल 'किंझल' से हमला किया है, वो काफी एडवांस है। इसे डैगर भी कहा जाता है, जिसका मतलब खंजर होता है । रूस ने पहली बार इस खास तरह की मिसाइल को 2018 में पेश करके सबको चौंकाया था. रूस ने 1941-45 में जीते ग्रेट पैट्रियॉटिक वॉर के 73वें वर्षगांठ पर विक्ट्री डे मिलिट्री परेड में इसे पेश किया था।रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस मिसाइल की तैनाती अपने MiG-31K लड़ाकू विमान में की है। हाइपरसोनिक मिसाइल 'किंझल' हवा से जमीन पर मार करती है। यह 2000 किलोमीटर की रेंज तक दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने के लिए पर्याप्त है।

रूस के पास हथियारों की कमी नहीं

सिर्फ किंझल ही नहीं, रूस में एक और एडवांस हाइपरसोनिक मिसाइल तैयार की है। इसका नाम एवनगार्ड (Avangard) है। यह न्यूक्लियर पावर हाइपरसोनिक मिसाइल है जो ध्वनि से 20 गुना तेज गति रवाना की जा सकती है. यह दुश्मन के मिसाइल सिस्टम को भी तबाह कर सकती है।